मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 337, मुंबई, शनिवार, 22 मार्च, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

इफ्तार पार्टी में मुसलमान भाइयों-बहनों को डिप्टी सीएम अजित पवार का संदेश

अजित पवार ने इफ्तार पार्टी का किया आयोजन

अजित पवार ने बताया रमजान का महत्व

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी के प्रमुख अजित पवार ने इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। इस इफ्तार पार्टी में मुसलमानों को लेकर अजित पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने बयान में कहा भारत विविधता में एकता का प्रतीक है। हमें किसी भी विभाजनकारी ताकतों के जाल में नहीं फंसना है। अजित पवार ने आगे कहा, हमने अभी होली मनाई है, गुड़ी पड़वा और ईद आने वाली है - ये सभी त्यौहार हमें एक साथ मिल जुल रहना सिखाते है। ये त्योहार हमे मिलजुलकर मनाना चाहिए क्योंकि एकता ही हमारी असली ताकत है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

निर्विरोध चुने गए महायुति के 5 नेता

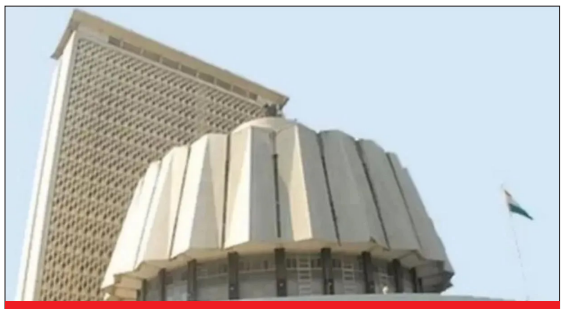

विधान परिषद सदस्य के रूप में ली शपथ

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद के लिए हाल ही में निर्विरोध निर्वाचित पांच नेताओं ने शुक्रवार को शपथ ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संदीप जोशी, संजय केनेकर और दादाराव केचे, शिवसेना के चंद्रकांत रघुवंशी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के संजय खोड़के ने विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) के रूप में शपथ ग्रहण की। 5 नेता मंगलवार को निर्विरोध चुने गए थे। इनकी नियुक्ति के साथ ही महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों में पति-पत्नी की एक जोड़ी सदस्य के रूप में मौजूद होगी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

संदीप जोशीः नागपुर से अनुभवी नेता

भाजपा के उम्मीदवार संदीप जोशी नागपुर के पूर्व महापौर हैं। उनके राजनीतिक अनुभव के कारण वे एक मजबूत दावेदार हैं। उनके पिता, दिवाकर जोशी, शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के लिए चुने गए थे, जिसका लाभ उन्हें मिल सकता है।

मंत्री जयकुमार गोरे पर आरोप लगाने वाली महिला गिरफ्तार

करोड़ों रुपये की उगाही का मामला

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री जयकुमार गोरे पर उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला को कथित तौर पर जबरन वसूली करने को लेकर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा जिले के मान विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले गोरे राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री हैं। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार महिला की पहचान अभी उजागर नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि उसे सतारा में स्थानीय अपराध शाखा ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, महिला ने मामला रफा-दफा करने के लिए तीन करोड़ रुपये मांगे थे। उसे कुल रकम में से एक करोड़ रुपये लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। विपक्षी दल महिला को परेशान करने और उसे आपत्तिजनक तस्वीरें भेजने के आरोपों को लेकर गोरे के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन मंत्री ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि उन्हें पहले ही अदालत ने बरी कर दिया है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र के बच्चे पढ़ेंगे सीबीएसई पाठ्यक्रम

स्कूली शिक्षा मंत्री भुसे का बड़ा ऐलान, विपक्ष की नाराजी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भुसे ने बताया कि राज्य में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) का पाठ्यक्रम लागू होगा। भुसे ने कहा कि राज्य में सीबीएसई पैटर्न 2 चरणों में लागू किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में कक्षा एक में सीबीएसई पैटर्न लागू किया जाएगा। साथ ही आगामी वर्ष में शिक्षकों एवं शिक्षा अधिकारियों को सीबीएसई पैटर्न के लिए प्रशिक्षित भी किया जाएगा। भुसे ने जानकारी दी कि अगले वर्ष सीबीएसई पैटर्न को अन्य कक्षाओं में भी लागू किया जाएगा। मंत्री भुसे ने कहा कि सीबीएसई पैटर्न अपनाते समय यह सुनिश्चित किया जाएगा कि महाराष्ट्र का इतिहास, भूगोल और मराठी भाषा पाठ्यक्रम का हिस्सा बने रहें।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

एजुकेशन पॉलिसी मंजूर नहीं

कांग्रेस नेता नितिन राउत ने कहा कि हमें महाराष्ट्र में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी मंजूर नहीं है। सरकार एनईपी के जरिए इतिहास को बदलने और छिपाने की कोशिश कर रही है। शिवाजी महाराज के शौर्य को बताने के लिए मुगलों के बारे में बताना ही पड़ेगा। वहीं बीजेपी के प्रसाद लाड ने पलटवार करते हुए कहा कि हम मुगलों का इतिहास नहीं पढ़ाएंगे। मुस्लिम सुल्तान, शहंशाह का इतिहास पढ़ाने की जरूरत नहीं है। हम महाराष्ट्र के बच्चों को भारत का इतिहास पढ़ाएंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

टूटते सब्र की मिसाल

सरकारी हलकों में इसे पुलिस व्यवस्था की कमजोरी माना गया है। कहा गया है कि पुलिसकर्मियों की कम संख्या है, जिस कारण उपद्रवियों का मनोबल बढ़ा है। आधिकारियों ने कहा है कि पुलिस पर अधिकतर हमले शराब से संबंधित मामलों में हुए।

हाल में बिहार पुलिस जगह-जगह निशाने पर आई। ऐसी कई घटनाओं में दो एएसआई की जान चली गई, जबकि कई अन्य घायल हो गए। कई जगहों पर पुलिस की टीम पर पथराव किए गए। जवानों की वर्दियां फाड़ी गईं। महिला पुलिसकर्मियों से बदसलूकी हुई। कुछ स्थानों पर किसी तरह भागकर पुलिस वालों ने अपनी जान बचाई। भागलपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, सोनपुर, सारण, मधुबनी, जहानाबाद, नवादा, औरंगाबाद और पटना जिलों से ऐसी घटनाओं की खबरें आई हैं। ज्यादातर घटनाओं में पुलिस विवाद की सूचना पा कर घटनास्थल पर पहुंची, मगर खुद लोगों के आक्रोश का निशाना बन गई। कई जगह आत्मरक्षा के लिए हवाई फायरिंग तक करने की नौबत आई। विचारणीय है कि ऐसा पुलिस विरोधी माहौल इतने व्यापक रूप से क्यों बन गया है? शासक तबकों में इसे पुलिस व्यवस्था की कमजोरी के रूप में देखा गया है। कहा गया है कि पुलिसकर्मियों की कम संख्या है, जिस कारण उपद्रवियों का मनोबल बढ़ा है। आधिकारियों ने कहा है कि पुलिस पर अधिकतर हमले शराब से संबंधित मामलों में हुए। शराब के अवैध कारोबार से कई आपराधिक गुट जुड़े हुए हैं। ये समूह बेखौफ होकर पुलिस को भी निशाना बना रहे हैं। हकीकत यह है कि जब कभी पुलिस की पिटाई के वीडियो वायरल होते हैं, तो जनता में उसका खराब संदेश जाता है। उससे पुलिस का खौफ कम होता है। उससे ऐसी प्रवृत्तियों को और बढ़ावा मिलता है। मगर यह घटना का सिर्फ एक पहलू है। दूसरा पहलू खास कर पुलिस, और आम तौर पर पूरे सरकारी तंत्र से बढ़ी रही ना-उम्मीदी का माहौल है। ऐसा होने की जड़ें गहराई तक जाती हैं। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार और पुलिस की बिगड़ती गई छवि लोगों में अब बेसब्री पैदा करने लगी है। देश के अलग-अलग हिस्सों में इसका अलग-अलग रूपों में इजहार हो रहा है। बेशक, बिहार या अन्य राज्यों में पुलिस से संबंधित नाकारात्मक धारणों को बदलने की जरूरत है। लेकिन बड़े सामाजिक- आर्थिक सवालों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो असंतोष का टिकाऊ हल निकालना मुश्किल बना रहेगा। इस लिहाज से, बिहार पुलिस पर हुए हमले एक तरह की चेतावनी हैं।

भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं को प्रतिबंधित कर उन पर कड़ी कार्रवाई हो : सलमान हसन

मुंबई हलचल/संवाददाता

बरेली। सुन्नी सूफिज्म का केन्द्र बरेली मरकज में उलेमा किराम की बैठक में उलेमा किराम ने भाजपा नेता संगीत सोम आदि के हालिया विवादित बयान पर कड़ी आपत्ति दर्ज की है। संगीत सोम ने अपने बयान में कहा है कि बाबरी मस्जिद की तरह मथुरा और काशी में मंदिर बनाएंगे। बैठक में जमात रजा ए मुस्तफा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सलमान हसन खा ने इस बयान को समाज में तनाव बढ़ाने वाला और धार्मिक सद्भाव को खतरे में डालने वाला करार दिया है।

हालिया दिनों में नागपुर की घटना इसका ताजा उदाहरण है जिसमें देखते ही देखते दो समुदाये आपस में भिड़ गये और शहर में दंगा हो गया, जिसके बयान पर ये दंगा भड़का वह सब नेता हैं और अब बेगुनाह लोगों को फंसाने की साजिश रची जा रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ अज्ञात तत्वों द्वारा निर्दोष व्यक्तियों को झूठे आरोपों में उलझाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने ने कहा, इस तरह के उत्तेजक और भड़काऊ बयान सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुँचाते हैं और

कानून के शासन को चुनौती देते हैं। आज के समय में जब समाज को एकजुटता और शांति की सबसे अधिक आवश्यकता है, कुछ राजनीतिक नेता अपने स्वार्थ के लिए भड़काऊ बयान देकर समाज में जहर फैलाने का काम कर रहे हैं। भड़काऊ बयान देने वाले नेताओं पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। भारतीय संविधान के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति समाज में सांप्रदायिक सौहार्द्र बिगाड़ने का प्रयास करता है, तो उसके खिलाफ सख्त धाराओं के तहत कार्रवाई होनी चाहिए। ऐसे नेताओं को चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए समाज में जहर न फैला सकें। हाफिज इकराम खान ने बताया कि डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक प्रभावी माध्यम बन गया है, जिसे कई नेता गलत सूचना और नफरत फैलाने के लिए उपयोग कर रहे हैं। जो नेता या अधिकारी समाज में नफरत फैलाने का काम कर रहे हैं, उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके लिए सरकार, न्यायपालिका और प्रशासन को निष्पक्ष रूप से कार्रवाई करनी चाहिए। ताकि समाज में सौहार्द बना रहे। बैठक मैं प्रमुख रूप से डॉ मेहंदी हसन, मोइन खान, समरान खान मुफ्ती निजाम, मुफ्ती अब्दुल, मुफ्ती शहरयार, हाफिज बिलाल, मोलना शम्स, मुफ्ती अली रजा आदि मौजूद रहे।

रमजान विशेष प्रस्तुति : एतिकाफ और रमजान एतिकाफ कि अहमियत और हकीकत

रमजान उल मुबारक के दस दस दिन के तीन असरे बनाए गए हैं पहला रहमत(ईश करूणा दया) का है दूसरा मगफिरत(मुक्ति) का है और तीसरा जहन्नम से आजादी का है। रमजान के तीसरी असरे जहन्नम की आजादी वाले असरे में पूरी दुनिया की मस्जिदों में कुछ लोगों को एतिकाफ करना जरूरी होता है। रूह (आत्मा) की शुद्धि पाकीजगी की व तरक्की को बनाए रखने के लिए यह जरूरी होता है कि शरीर को नुकसान पहुंचाए बिना कभी-कभी भौतिक संसार के संबंधों को कमी के न्यूनतम बिंदु पर पहुंचा दिया जाया करें।

शरियत की भाषा में इस स्थिति का नाम रोजा है और इस स्थिति की शर्तें जब तनिक कठोर कर दी जाती है तो इसका नाम एतिकाफ पड़ जाता है। एतिकाफ का शाब्दिक अर्थ है किसी मकान के अंदर स्वयं को कैद कर देने से है। शरियत की परिभाषा में इससे भावार्थ यह है कि इंसान इबादत के लिए मस्जिद में रुकने और ठहरने को आवश्यक करार दे ले। मस्जिद उस घर को कहते हैं जो सिर्फ अल्लाह की याद और अल्लाह की इबादत के लिए खास हो इसमें बैठ जाने का अर्थ यह है कि बंदे ने अपने रिश्ते सब तरफ से तोड़कर सिर्फ अपने खालिक (स्रष्टा) से जोड़ रखे हैं और जिस वक्त तक वह इस एकांतवास की स्थिति में है वह न किसी का दोस्त है ना अजीज ना बादशाह ना प्रजा ना भाई ना शौहर ना दोस्त ना दुश्मन बल्कि बंदा है और केवल बंदा, स्त्री की इच्छा उसके लिए निषिद है। व्यर्थ बातचीत उसके लिए नाजायज है। खाना पीना केवल इस हद तक वैध है जो शरीर के लिए नितांत आवश्यक हो। एतिकाफ के दौरान बंदा गोया अपने तसव्वुर में हर समय अल्लाह के दरबार में मौजूद रहता है इसलिए हर वह चीज जो इस दरबार के खिलाफ है उसके लिए नाजायज है। चिराग उसी समय रोशन हो सकता है जब इसमें तेल मौजूद हो। इंजन तभी आगे बढ़ सकता है जब उसमें ईंधन मौजूद हो। शरीर में जीवन उसी समय कायम रह सकता है जब उसे पोषण मिलता रहे।

आत्मा का जीवन तब ही कायम व बरकरार रह सकता है जब उसे अपने स्वभाव के अनुसार पोषण मिलता रहे और रूह (आत्मा) का पोषण यही है कि कभी-कभी उसे भौतिकता के वातावरण से दूर रखकर उसकी नैसर्गिक पवित्रता को उभारने और स्वाभाविक स्वच्छता व शराफत को चमकाने का पूरा अवसर दिया जाए। जब से संसार अस्तित्व में आया है संसार के सबसे महान और श्रेष्ठ इंसान पैगंबरे इस्लाम हजरत मुहम्मद स्वल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अंदर व बाहर दोनों के नियम और उसके अंदाजे से भली-भांति परिचित थे। रमजान उल मुबारक के आखिरी असरे अंतिम 10 दिनों में एतिकाफ आपकी आदत में शामिल था। माहे रमजान सारे का सारा इबादत और अल्लाह के जिक्र में बीतता था। लेकिन आखिरी 10 दिनों में इसमें तेजी आ जाती थी। घर वालों और साथियों से दूर होकर यह पूरा असरा 10 दिन मस्जिद ही की चार दिवारी के भीतर गुजराता था और बंदे को अपने माबूद पालनहार के साथ एकांतवास का सारा आनंद प्राप्त होता था। हमें अल्लाह के रसूल पैगंबरे इस्लाम हजरत मोहम्मद स्वल्लल्लाहो अलैह वसल्लम की पैरवी में रमजान उल मुबारक को पूरे आदाब और मयार्दा के साथ गुजारना चाहिए और फिर कभी-कभी एतिकाफ भी करना चाहिए। अल्लाह के यहां अगर किसी की दुआ सबसे ज्यादा मकबूल और कबूल होती है तो वह है मां-बाप की दुआ औलाद के लिए उनकी दुआ मै कबूल करूंगा अल्लाह ने खुद फरमाया है इसलिए सबसे ज्यादा दुआएं अपने मां-बाप से लेना चाहिए और उनकी खिदमत करते रहना चाहिए। रमजान मुबारक के मौके पर सभी रोजेदारो इबादत गुजारो व एतिकाफ करने वालों भाइयों बहनों से गुजारिश है कि रमजान का आखिरी असरा जहन्नम से आजादी चल रहा है आप सब अल्लाह से दुआ करें कि अपने रहमतों से और अपने हबीब पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद स्वल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के वसीले से मेरी मोहसिन मेहरबान मां हज्जन जुबेदा बी रहमतुल्लाहि अलैहा और मेरे अब्बू जनाब मोहतरम बाबू खान कादरी रहमतुल्लाह अलैह को जहन्नम से आजादी अता फरमाते हुए रमजान की रहमत और मगफिरत उन्हें भी अता फरमाए और उनकी कबरों को नूर की अंजुमन बनाकर जन्नत के बाग में तब्दील फरमाए और इनकी कबरो कि जानिब जन्नत कि खिड़की खोल दे और इन्हे आलमे बरजख मे इल्लीन मे आला मुकाम अता कर अपनी रहमत और नूर अता फरमाए और इन्हे कब्र के अजाब से जहन्नम की आग से मैदाने महशर और पुलसिरात की तकलीफों से इनकी हिफाजत फरमाकर अपना अमन और सलामती अता फरमाए और हम सबकी गलतियो व खताओं को माफ फरमाए और हम सब पर अपना करम फरमाए आमीन या रब्बुल आलमीन आप सब की दुआओं का तलबगार आपका भाई साजिद खान पत्रकार।

प्रस्तुति एवं संकलन - साजिद खान संपादन प्रभाग भजन जुबेदा बी मीडिया ग्रुप धनपुरी

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

बोईसर ग्राम पंचायत ने विकास कार्यों का शुभारंभ किया

17 लाख रुपए की लागत से जमुना रोड का होगा नवीनीकरण

मुंबई हलचल/संवाददाता

बोईसर। बोईसर ग्राम पंचायत ने विभिन्न विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है और प्रत्येक वार्ड में कार्य को मजबूत करके चरणबद्ध विकास कार्य शुरू किया है। उस खंड की सदस्य उषा जाधव की मांग के बाद भीमनगर सीमा में बोईसर-तारापुर मुख्य मार्ग से जगत भारती समाचार पत्र कार्यालय से जमुना रोड तक, अनुसूचित जाति और नवबौद्ध विकास निधि और 15 वें वित्त आयोग के दोनों निधियों से 17 लाख रुपये के अनुमानित खर्च के साथ इस सड़क का नवीनीकरण काम किया जाएगा। आज नारियल फोड़कर आधारशिला रखने की रस्म निभाई गई। इस अवसर पर बोईसर ग्राम पंचायत के उपसरपंच नीलम संखे, सदस्य उषा जाधव, रंजीत खरात, अजय ठाकुर, सामाजिक कार्यकर्ता चंद्रकांत जाधव, बहुजन समाज से सुरेश जाधव, पूर्व पंचायत समिति सदस्य अजय दिवे, सीपीएम के हर्षल लोखंडे, होटल व्यवसायी भुजंग शेट्टी, जाकिर साठी, पुर्व सदस्य अतुल देसाई, ग्राम विकास अधिकारी कमलेश संखे के साथ पत्रकार और ग्रामीण उपस्थित थे।

मां नर्मदा महाविद्यालय में जॉब फेयर का आयोजन हुआ

धामनोद। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपक कुमार एचआर मैनेजर एमआरएफ कंपनी गुजरात, महाविद्यालय निदेशक डॉ मनोज नाहर, निदेशिका रीना नाहर तथा प्राचार्या डॉ प्रिया त्रिवेदी द्वारा मां सरस्वती का पूजन अर्चन कर किया गया। दीपक कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मैन्युफैक्चरिंग विभाग में काम करने हेतु कौशल विकास अति महत्वपूर्ण पहलू है एमआरएफ कंपनी चयनित अभ्यर्थियों को ट्रेनिंग के साथ साथ कौशल विकास में अपना सहयोग प्रदान करेगी। निदेशक डॉ नाहर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मां नर्मदा महाविद्यालय शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। इसके अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न वर्कशॉप का आयोजन भी किया जा रहा है।शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाना होता है और हमारा महाविद्यालय बीएससी, बीए बीकॉम लेवल पर विद्यार्थियों के लिए रोजगार उपलब्ध करवाने वाले प्रदेश का अग्रणी महाविद्यालय में शामिल है। निदेशिका श्रीमति नाहर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि निमाड़ क्षेत्र में बेरोजगारी मूल समस्या है। और इस बेरोजगारी का कारण विद्यार्थियों में कौशल विकास की कमी है। एमएनडीसी परिवार विद्यार्थियों के कौशल विकास करने के साथ साथ रोजगार के अवसरों की उपलब्धता भी सुनिश्चित कर रहा है। प्राचार्या डॉ त्रिवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि एमआरएफ जैसी कंपनी का मां नर्मदा महाविद्यालय के जॉब फेयर में उपस्थिति हम सभी के लिए गौरव की बात है। हम आशा करते है कि इससे अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा तथा युवाओं में कौशल विकास के प्रति रुचि एवं जागरूकता का विकास होगा। रोजगार मेले के दौरान लगभग अस्सी युवाओं ने हिस्सा लिया जिनमे महाविद्यालय के विद्यार्थियो के अतिरिक्त अन्य युवा भी शामिल थे। इस दौरान महाविद्यालय के ग्यारह विद्यार्थियों को नियुक्त किया गया। साथ ही महाविद्यालय के विद्यार्थियो हेतु कैरियर गाइडेंस प्रोग्राम का आयोजन भी किया गया कार्यक्रम का संचालन प्रो प्रवीण बैरागी द्वारा किया गया तथा आभार प्रो राघवेंद्र पाटीदार द्वारा व्यक्त किया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से मिला करीब 788 करोड़ रुपये कैश

ये है दिल्ली हाईकोर्ट के जज यशवंत वर्मा, एक हफ्ते पहले इनके बंगले में आग लग गई, जब फायर बिग्रेड आग बुझाने पहुंची और घर में आग बुझाया तो एक कमरे में कैश रखा देख कर कर्मचारी बेहोश हो गए, फायर बिग्रेड के कर्मचारियों ने पुलिस को फोन किया, कैश गिनने के लिए 27 मशीन मंगवाई गई, सरकार के उच्च अधिकारियों को बताया गया, सूत्रो के अनुसार माना जा रहा है की करीब 788 करोड़ रुपये कैश उस कमरे से मिला, बात को दबा दिया गया, आज एक हफ़्ते बाद बात लीक हुआ तो आनन फानन में सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के द्वारा जज साहब का ट्रांसफर इलाहाबाद किया गया, सोचिए इन्ही डकैतो के सामने हम लोग न्याय मांगने जाते हैं जो खुद डकैत हैं। इनका क्या इनके ऊपर तो कोई है नहीं, सुप्रीम कोर्ट ने अलाहाबाद ट्रांसफर कर दिया बस, सोचिए कैसे इन्ही दरिंदों के कारण बेगुनाह सालों से जेल में सड़ते हैं और अपराधी बाहर घूमता है। आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ फैसला देने में ये चोर यशवंत वर्मा सबसे आगे रहता था, आज इसकी हकीकत देख लीजिए, प्रकृति ने खुद इस चोर को उजागर कर दिया, आँख के सामने हम सब लोग सब बर्बाद होते देख रहे हैं लेकिन कुछ कर नहीं पा रहे हैं। जब जज ही सबसे बड़ा अपराधी हो तो उसपर मुकदमा कौन ही करेगा? बस सुप्रीम कोर्ट ने इसे अलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर पल्ला झाड़ लिया, इस चोर के खिलाफ ईडी/सीबीआई जाँच क्यों नहीं हुआ? बिना सबूत वालो को तो ये जेल में ठूस कर रखने का फैसला सुनाता था, खुद के खिलाफ तो 788 करोड़ रुपये का सबूत मिला, इसकी जाँच क्यों नहीं? खैर जजों को लार्डशिप बोला जाता है, मतलब भगवान की संज्ञा दी गई है, देख लीजिए आपका भगवान कितना बड़ा भ्रष्ट डकैत और चोर है।

ईझान वसीम सोरठीया 5 साल की उम्र में अपनी ज़िंदगी का रखा पहला रोजा

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

मुंब्रा। ईझान वसीम सोरठीया ने महज ५ साल की उम्र में अपनी ज़िंदगी का पहला रोजा अल्लाह की इबादत में रखा इन दिनों गरमी का माहौल है सुबह ५.१९ बजे से साम ६.५२ बजे तक पुरा दिन भुख प्यास को मिटाकर अल्लाह की रजा में इबादत के साथ साथ इस मासुम बच्चे ने अपना पहेला रोजा रखा साम के वक्त ईझान को फुलहार से सजाया गया इफ्तार के वक्त ईझान ने दुआएं की। और रोजा इफ्तार किया। इफ्तार के बाद ईझान के चहेरे पर एक मुस्कान छलक रही थी। परिवार वालों ने ईझान को मुबारक बादी दी। दैनिक मुंबई हलचल और हमारे पत्रकार शोएब म्यानुंर की तरफ से भी ईझान को मुबारक बादी दी गई।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

अजित पवार ने इफ्तार पार्टी का किया आयोजन

अजित पवार ने कहा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि आपका दादा अजित पवार आपके साथ है, जो कोई भी हमारे मुस्लिम भाइयों और बहनों को आंख दिखाएगा, अगर कोई भी दो गुटों में लड़ाई कराने की कोशिश करेगा, अमन-शांति को भंग करेगा और कानून को अपने हाथ में लेगा, चाहे वह कोई भी हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा, उसे माफ नहीं किया जाएगा। उन्होंने रमजान के महत्व बताया और कहा, मजान किसी एक धर्म तक सीमित नहीं है, यह इंसानियत, त्याग और आत्मचिंतन का प्रतीक है। यह खुद पर संयम रखना सिखाता है और हमें जरूरतमंदों के दुख-दर्द को समझने की प्रेरणा देता है। रोजा न केवल शरीर को, बल्कि मन और आत्मा को भी शुद्ध करता है। भारत वास्तव में अनेकता में एकता की मिसाल है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार का ये बयान ऐसे समय आया है जब महाराष्ट्र में माहौल गरमाया हुआ है। सीएम फडणवीस के शहर नागपुर में हुई हिंसा मामले में शुक्रवार को 14 लोगों को अरेस्ट भी किया गया है, जिसे मिलाकर अब तक 105 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अजित पवार की इस अपील को सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश के रूप में देखा जा रहा है।

महाराष्ट्र के बच्चे पढ़ेंगे सीबीएसई पाठ्यक्रम

राकांपा (एसपी) की कार्यकारी अध्यक्ष और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने भुसे को एक पत्र लिखकर सीबीएसई को अपनाने पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह बहुत दुखद है कि राज्य एसएससी की जगह सीबीएसई बोर्ड को अपना रहा है। उन्होंने दावा किया कि सरकार का यह कदम मराठी भाषा और संस्कृति के लिए हानिकारक है। बता दें कि सीबीएसई पैटर्न को शैक्षणिक वर्ष 2025-2026 से लागू किया जाएगा और सरकार ने राज्य में छात्रों की गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से यह निर्णय लिया है। उन्होंने यह ऐलान संचालन समिति द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग के संबंध में राज्य पाठ्यक्रम रूपरेखा को मंजूरी देने के बाद किया है। बता दें कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अगले 100 दिनों के लिए स्कूल शिक्षा विभाग सहित सभी विभागों के काम की समीक्षा भी की थी।

निर्विरोध चुने गए महायुति के 5 नेता

सुलभा खोड़के अमरावती विधानसभा सीट से राकांपा की विधायक हैं, जबकि उनके पति संजय खोड़के अब विधान परिषद के सदस्य बन गए हैं। विधान परिषद की यह 5 सीटें उन सदस्यों के इस्तीफे से खाली हुई थीं जिन्होंने पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में जीत दर्ज की थी। इनमें शिवसेना के आमशा पाडवी, राकांपा के राजेश वीतकर और भाजपा के प्रवीन दटके, गोपीचंद पडालकर तथा रमेश कराड शामिल हैं। संदीप जोशी को 2019 में भाजपा की ओर से नागपुर स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ते हुए कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी से हार का सामना करना पड़ा था।

मंत्री जयकुमार गोरे पर आरोप लगाने वाली महिला गिरफ्तार

बता दें कि महाराष्ट्र सरकार में मंत्री जयकुमार गोरे ने पहले कहा था कि 2017 में उनके खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 354 (महिला का शील भंग करने) के तहत मामला दर्ज किया गया था, लेकिन निचली अदालत ने उन्हें 2019 में बरी कर दिया था। इस बीच, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार (राकांपा-एसपी) के विधायक रोहित पवार ने पूछा कि आखिर महिला को पैसे क्यों दिए जा रहे थे और इसका स्रोत क्या था।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला

आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक

लगातार उभरते आतंकवाद पर जताई चिंता, निपटने के लिए व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

आतंकवाद के मुद्दे पर आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) विशेषज्ञ कार्य समूह (सीटी पर ईडब्ल्यूजी) की 14वीं बैठक 19 से 20 मार्च तक नई दिल्ली में हुई। बैठक में आसियान सचिवालय, आसियान देशों- लाओ पीडीआर, मलेशिया, इंडोनेशिया, म्यांमार, सिंगापुर, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस और वियतनाम, एडीएमएम-प्लस सदस्य राज्यों में चीन, अमेरिका, रूस, ऑस्ट्रेलिया, जापान और कोरिया गणराज्य के प्रतिनिधिमंडलों ने भाग लिया।

भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मुख्य भाषण दिया और कहा कि आतंकवाद लगातार उभरती हुई चुनौती बना हुआ है, जिसके खतरे लगातार सीमाओं को पार कर रहे हैं। उन्होंने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने की दिशा में भारत के प्रयासों पर प्रकाश डाला। रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अंतरराष्ट्रीय सहयोग अमिताभ प्रसाद, सेना के अतिरिक्त महानिदेशक विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

भारत और मलेशिया ने 2024-27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की

एडीएमएम-प्लस मंच के माध्यम से भारत तालमेल स्थापित करेगा

इंडो-पैसिफिक क्षेत्र आतंकवाद से प्रभावित

रक्षा सचिव ने यह भी बताया कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र विशेष रूप से आतंकवाद और हिंसक चरमपंथ से प्रभावित है, क्योंकि यह क्षेत्र भू-राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्वपूर्ण है। आतंकवादी संगठन इन सीमाओं को पार कर अपने हमलों को बढ़ा रहे हैं, जो क्षेत्र की स्थिरता को खतरे में डालते हैं। एक समग्र, अनुकूल और गहरे दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जो इस क्षेत्र में सुरक्षा और शांति बनाए रखने में मदद कर सके।

आतंकवाद एक वैश्विक खतरा

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने कहा कि आतंकवाद एक वैश्विक खतरा है, जिसे केवल अंतरराष्ट्रीय सहयोग और मजबूत सुरक्षा तंत्र के माध्यम से ही समाप्त किया जा सकता है। भारत की जीरो टॉलरेंस नीति और एडीएमएम-प्लस मंच पर इसके सक्रिय प्रयास यह सुनिश्चित करेंगे कि आतंकवाद से निपटने के लिए एकजुट होकर काम किया जाए और वैश्विक शांति बनाए रखी जाए। उन्होंने एडीएमएम-प्लस मंच के माध्यम से भारत अपनी रक्षा सेनाओं, सुरक्षा एजेंसियों और नीति ढांचे के बीच एक तालमेल स्थापित करना चाहता है, ताकि उभरते हुए खतरों का प्रभावी तरीके से मुकाबला किया जा सके।

जमीनी अनुभव साझा किए गए

दो दिवसीय बैठक के दौरान आतंकवाद और उग्रवाद के उभरते खतरे से निपटने के लिए एक मजबूत और व्यापक रणनीति विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य आसियान देशों के रक्षा बलों और उसके संवाद भागीदारों के जमीनी अनुभव को साझा करना था। बैठक के दौरान भारत और मलेशिया ने 2024-27 के लिए कार्य योजना प्रस्तुत की। इस दौरान 2026 में मलेशिया में विशेषज्ञ कार्य समूह के लिए टेबल-टॉप अभ्यास और 2027 में भारत में फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास आयोजित करने का ऐलान किया गया। बैठक ने वर्तमान खतरे के लिए गतिविधियों, अभ्यासों, बैठकों और कार्यशालाओं की जाँच की। बैठक में भाग लेने वाले देशों और आसियान सचिवालय के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने क्षेत्र में आतंकवाद का मुकाबला करने के प्रयासों पर अपने विचार रखे। सांस्कृतिक दौरे के हिस्से के रूप में प्रतिनिधियों ने आगरा का भी दौरा किया।

भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

रक्षा सचिव ने कहा कि भारत आतंकवाद के प्रति अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर पूरी तरह से दृढ़ है। भारत एक ऐसे दृष्टिकोण में विश्वास करता है, जिसमें मजबूत घरेलू तंत्र, खुफिया जानकारी का आदान-प्रदान और मजबूत क्षेत्रीय सहयोग शामिल हैं।

खबर संक्षेप

केंद्र सरकार के फैसलों से मणिपुर में जगी उम्मीद

बेंगलुरु। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिन की अखिल भारतीय

प्रतिनिधि सभा शुक्रवार को बेंगलुरु में शुरू हुई। संघ के सह सरकार्यवाह सीआर मुकुंद ने मणिपुर की स्थिति को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि मणिपुर बीते 20 महीनों से बुरे दौर से गुजर रहा है, लेकिन केंद्र सरकार के कुछ राजनीतिक और प्रशासनिक फैसलों के बाद अब उम्मीद की किरण नजर आ रही है। हालांकि, राज्य में हालात सामान्य होने में अभी लंबा समय लगेगा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदू उत्पीड़न पर प्रस्ताव आएगा।

इटली ने छापा समाचार पत्र का एआई संस्करण

रोम। इटली में दुनिया का पहला एआई समाचार पत्र छापा गया है।

इतालवी अखबार 'इल फोग्लियो' ने समाचार पत्र का एआई संस्करण छाप कर इतिहास रचा है। यह प्रयोग एक महीने तक चलेगा और इसका उद्देश्य एआई की सीमाओं और संभावनाओं को समझना है। इल फोग्लियो हर दिन अपनी सामान्य अखबार की कॉपी के साथ चार पन्नों का एआई-संस्करण भी प्रकाशित कर रहा है। इसमें करीब 22 लेख और 3 संपादकीय होते हैं, जो एआई के जरिए तैयार किए जाते हैं।

रिश्तों में खटास को कम करने के लिए प्रयास नए सिरे से शुरू करने की तैयारी

भारत-अमेरिका 'टैरिफ-वार' से बचने के लिए कॉरपोरेट मंत्रालय जुटा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात कर कुछ बीच का रास्ता अख्तियार करने का फार्मूला तय किया है। ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

संसदीय सत्र के बाद मोदी सरकार पूरी तरह से भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर चर्चा और व्यापारिक रिश्तों में संभावित खटास को कम करने के प्रयास का नए सिरे से शुरू करने की तैयारी कर रही है। कॉरपोरेट मंत्रालय में इसकी शुरूआत हो चुकी है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लटनिक से मुलाकात कर कुछ बीच का रास्ता अख्तियार करने का फार्मूला तय किया है। ताकि व्यापार वार्ता को आगे बढ़ाया जा सके। दोनों देश 2025 के अंत तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को पूरा करने पर सहमत हुए थे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2 अप्रैल 2025 से रेसिप्रोकल-टैरिफ (पारस्परिक शुल्क) लागू करने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि अमेरिका उन देशों पर वही टैरिफ लगाएगा, जो अमेरिकी सामानों पर शुल्क लगाते हैं। इसमें भारत का नाम भी शामिल है, क्योंकि ट्रंप ने बार-बार भारत द्वारा ऊंचे टैरिफ की आलोचना की है, खासकर ऑटोमोबाइल और मोटरसाइकिल जैसे उत्पादों पर। कॉरपोरेट मंत्रालय के सूत्रों ने कहा, भारत विश्व व्यापार संगठन के नियमों का पालन करता है और सभी देशों पर एक समान टैरिफ लागू करता है, सिवाय

फाइल फोटो

ट्रंप के दबाव पर भारत अब तक डटा

उन देशों के जिनके साथ मुक्त व्यापार समझौते हैं। भारत और अमेरिका के बीच अभी ऐसा कोई समझौता नहीं है इसीलिए ऐसी स्थिति उपजी है। समय रहते दोनों देशों के बीच परस्पर समन्वय के साथ स्थिति को अनुकूल बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। आंकड़ों के हवाले से सूत्रों ने बताया कि भारत और अमेरिका के बीच 2023-24 में 118 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार हुआ, जिसमें भारत को 41 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष (ट्रेड सरप्लस) था। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है, जहां भारत अपने कुल निर्यात का 17 फीसदी भेजता है। अगर अमेरिका टैरिफ बढ़ाता है, तो भारतीय निर्यात, जैसे टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स और आभूषण, की प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है।

भारत भी अमेरिकी आयात में शुल्क बढ़ा सकता है

जवाब में भारत भी अमेरिकी आयात (जैसे बादाम, सेब, या पेट्रोकेमिकल्स) पर शुल्क बढ़ा सकता है, जिससे दोनों देशों के बीच खटास बढ़ेगी। ट्रंप ने भारत पर दबाव बढाते हुए उम्मीद जताई है कि भारत शुल्क में कटौती करेगा, पर भारत का जोर मानकों को बेहतर करने और व्यापक सहयोग (जैसे रक्षा, ऊर्जा) पर है। ये बात अलग है कि अभी तक भारत, अमेरिका के दबाव में नहीं आया है। सूत्रों का मानना है कि अगर टैरिफ वॉर शुरू होता है, तो यह न केवल व्यापार, बल्कि दोनों देशों के रणनीतिक रिश्तों पर भी असर डाल सकता है। भारत अमेरिका को इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में अहम साझेदार मानता है, और यह तनाव उस सहयोग को कमजोर कर सकता है।

संघीय शिक्षा विभाग बंद ट्रंप ने किए हस्ताक्षर

वॉशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका में शिक्षा विभाग को बंद करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने शुक्रवार को इस संबंध में एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर भी कर दिए। संघीय शिक्षा विभाग को बंद करने संबंधी अहम दस्तावेज पर हस्ताक्षर से पहले ट्रंप एक स्कूल में पहुंचे। जहां उन्होंने बच्चों से पूछा कि क्या उन्हें साइन करना चाहिए? बच्चों ने सहमति में सिर हिलाए, जिसके बाद ट्रंप ने कहा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं। मैंने एक और दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए जो देश के लिए बहुत अच्छा साबित होगा। ट्रंप ने हस्ताक्षर से पहले मेज पर रखी कलमों का इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया और अपनी जेब से कलम निकाली। ट्रंप ने कहा कि भले ही आप इसे अंधविश्वास कहें, लेकिन मैं कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर करने के लिए उसी कलम का उपयोग करूंगा।

रूस-यूक्रेन के बीच युद्ध विराम की तैयारी

शांति सेना बनाने की तैयारी तीस देशों ने साथ की बैठक

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

युद्ध समर्थक समूह में बदल रहे: रूस

स्टार्मर ने कहा कि अमेरिका की अगोदारी इस सुरक्षा योजना के लिए आवश्यक होगी, ताकि रूस को यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि किसी भी समझौते का उल्लंघन गंभीर परिणाम लाएगा। वहीं रूस ने इस बैठक पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। ज़ेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने आरोप लगाया कि यूरोप तेजी से सैन्यीकरण की ओर बढ़ रहा है और युद्ध समर्थक समूह में बदल रहा है। पश्चिमी देशों पर यूक्रेन संकट को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। रूस ने कहा है कि वह यूक्रेनी धरती पर नाटो देशों के किसी भी सैनिक को स्वीकार नहीं करेगा।

रूस-यूक्रेन के बीच सीमित युद्ध विराम को लेकर अमेरिका के अलावा अन्य देश भी तैयारी कर रहे हैं। ब्रिटेन में यूक्रेन की सुरक्षा को लेकर लगभग 30 देशों के सैन्य प्रमुखों की महत्वपूर्ण बैठक हुई। यह बैठक लंदन के पास नॉर्थवुड सैन्य अड्डे पर हुई, जहां सैन्य प्रमुखों ने इस बात पर चर्चा की कि भविष्य में यूक्रेन की रक्षा के लिए किस तरह काम किया जाए।

ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने कहा कि यूक्रेन में शांति तभी टिकेगी, जब सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी शांति समझौते की रक्षा के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय होने चाहिए। सभी ने यूक्रेन के लिए एक अंतरराष्ट्रीय शांति सेना की योजना को अंतिम रूप देने पर बात की। स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन और फ्रांस के नेतृत्व में गठबंधन योजना आगे बढ़ रही है। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने देश सेना भेजने के लिए तैयार हैं।

ट्रंप ने बनाई है सैद्धांतिक सहमति

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के नेताओं से बात करने के बाद सीमित युद्ध विराम पर सैद्धांतिक सहमत बना ली है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि यह कब प्रभावी हो सकता है और किस पर हमले प्रतिबंधित होंगे। युद्ध विराम वार्ता के बीच दोनों देशों ने रात भर एक-दूसरे पर सैकड़ों ड्रोन हमले किए गए। इसमें कई लोग घायल हुए और इमारतों को नुकसान पहुंचा।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने मंत्रालय से संबंधित अनुदान की मांगों पर उत्तर दिया

कृषि में विविधीकरण पर लगातार ध्यान किसान की मजबूती से देश समृद्ध होगा

कहा, 10 हजार नए एफपीओ बनाए, किसानों के आनलाइन व्यापार के लिए ई-नाम की व्यवस्था भी की

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को लोकसभा में कृषि मंत्रालय से संबंधित अनुदान की मांगों पर चर्चा के दौरान कहा कि मोदी सरकार की नीति-रीति किसानों को सशक्त करने की है। किसान मजबूत होगा तो देश समृद्ध होगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिन्होंने खेत नहीं देखे, पगडंडियां नहीं देखी, मिट्टी नहीं जानते, वे किसान हित की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कृषि एवं किसान कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं। खाद्यान्न एवं फल-सब्जियों के उत्पादन व उत्पादकता में लगातार वृद्धि हो रही है, इसके पीछे प्रधानमंत्री की सुव्यवस्थित रणनीति, अनेकों प्रयास किए जा रहे हैं।

उर्वरकों के संतुलित उपयोग का काम हो रहा, खेती में बढ़ा निवेश

चौहान ने कहा कि उर्वरकों के संतुलित उपयोग का काम हो रहा है। खेती में निवेश बढ़ा है व अल्पकालिक ऋण में भी तेजी आई है जिससे किसानों के लिए सुविधाएं बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से देश के करोड़ों किसान माइनों-बहनों को सहायता मिल रही है। इस योजना से छोटे किसानों की जिंदगी बदलने का काम किया है। उन्होंने बताया कि 2.54 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खाद सब्सिडी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों के लिए दी है। मोदी सरकार ने किसानों को राहत दी है। चौहान ने कहा कि हम किसानों को किसी भी कीमत पर महंगी खाद नहीं खरीदने देंगे।

50% मुनाफा जोड़ दे रहे एमएसपी

केंद्रीय कृषि मंत्री ने बताया कि हमने 10 हजार नए एफपीओ बनाए, किसानों के आनलाइन व्यापार के लिए ई-नाम की व्यवस्था भी की। सरकार के लागत पर कम से कम 50 प्रतिशत मुनाफा जोड़कर न्यूनतम समर्थन मूल्य यानि एमएसपी तय की। किसानों से एमएसपी पर खरीदी मोदी सरकार के समय में सर्वाधिक 22.38 लाख करोड़ रु. की हुई है। सरकार ने पीएम-आशा योजना बनाई और इसके अंतर्गत सोयाबीन सहित अन्य उपज की रिकार्ड खरीदी की। साथ ही, कर्नाटक, महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों में भी खरीद की समय-सीमा बढ़ाई, कहीं मेंढमाल नहीं किया। बाजार हस्तक्षेप योजना बनाई ताकि उपज के भाव कम होने पर किसानों को नुकसान नहीं हो। टमाटर, आलू, प्याज की राज्यों के माध्यम से खरीदी करने की अनुमति केंद्र सरकार द्वारा दी जाती है। बाजार हस्तक्षेप योजना के अंतर्गत किसानों के परिवहन की लागत केंद्र द्वारा वहन करने की व्यवस्था की।

डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन प्रारंभ किया

चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन प्रारंभ किया, डिजिटल किसान आईडी अब अलग से बनेगा। बीगूनराया में ही मक्का अनुसंधान केंद्र रहेगा, कर्नाटक में हम अलग से केंद्र खोलने का काम करेंगे। उन्होंने बताया कि किसानों के लिए बजट में पीएम धनधान्य योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा की गई है।

एक लाख करोड़ का एग्रीकल्चर इंफ्रा फंड

उन्होंने कहा कि सकारात्मक सुझावों का सदैव स्वागत है, अच्छे सुझावों पर विचार करके लागू करने का काम करेंगे। पहले क्षति आंकलन परंपरागत तरीके से होता था, हमने सैटेलाइट आदि अत्याधुनिक प्रक्रिया अपनाई है। क्लेम देने में देरी पर बीमा कंपनियों द्वारा 12 प्रतिशत ब्याज देने का सरकार ने किया। एक लाख करोड़ रु. के एग्रीकल्चर इंफ्रा फंड की स्कीम से 51783 करोड़ रु. की स्वीकृति दी गई है। सरकार का किसान और विज्ञान को जोड़ने पर जोर है, लैब टू लैंड के लिए मोदी सरकार ने पहल की है।

रक्षा कर्मियों को बेहतर बनाने की दिशा में कदम

जवानों व उनके परिवारों के मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करेगा निम्हांस

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

देश के रक्षा कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने की दिशा में राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) सहयोग करेगा। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा (एएफएमएस) ने अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता तीनों सेनाओं के जवानों, उनके परिवारों तथा आश्रितों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने पर केंद्रित होगा। सशस्त्र बल चिकित्सा सेवा की महानिदेशक सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन और निम्हांस की निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति ने इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

चिंता और अवसाद से मिलेगा छुटकारा

समझौता ज्ञापन के मुख्य उद्देश्यों में सहयोगात्मक अनुसंधान, संकाय आदान-प्रदान और शैक्षणिक गतिविधियां शामिल हैं।निम्हांस सैन्य कर्मियों को उन्नत मनोचिकित्सा देखभाल और सहायता पर अनुसंधान करने में सहायता प्रदान करेगा, जो पोस्ट ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी), चिंता और अवसाद जैसी सामान्य समस्याओं से छुटकारा दिलाएगा। सर्जन वाइस एडमिरल आरती सरीन ने एक बयान में कहा कि हमारे सैनिकों का मानसिक स्वास्थ्य उनके शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि निम्हांस के साथ यह साझेदारी सुनिश्चित करेगी कि हमारे कर्मियों को देश की सेवा करते समय आने वाली चुनौतियों से निपटने में सर्वोत्तम संभव सहायता मिले।

खालिस्तान के खिलाफ बोलना पड़ा भारी

हिंदू सांसद चंद्र आर्य अब नहीं लड़ पाएंगे चुनाव, काटा टिकट

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कनाडा का खालिस्तान प्रेम एक बार फिर सामने आया है। खालिस्तान की खुलकर आलोचना करना हिंदू सांसद चंद्र आर्य को भारी पड़ गया है। दरअसल, सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने उनके चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी है। खालिस्तान समर्थक कही जाने वाली ट्रूडो की पार्टी ने उनका टिकट ही काट दिया है। कनाडा के हिंदू सांसद चंद्र आर्य ने बताया कि लिबरल पार्टी ने नेपियन में फिर से चुनाव

लड़ने के लिए उनके नामांकन को रद्द कर दिया है। कनाडा में खालिस्तानी गतिविधियों के मुखर आलोचक रहे 62 वर्षीय चंद्र आर्य तीन बार सांसद रह चुके हैं और 2015 से ओटावा की नेपियन सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। लिबरल पार्टी के राष्ट्रीय अभियान के सह-अध्यक्ष एंड्रयू बेवन के एक पत्र में इस निर्णय के बारे में सूचित किया गया था। आर्य को हटाने का निर्णय पार्टी द्वारा पूर्व पीएम जस्टिन ट्रूडो की जगह नेतृत्व की दौड़ में चुनाव लड़ने से लगभग दो महीने पहले लिया गया था।

महिला दरोगा से रेप का आरोपी सिपाही गिरफ्तार, अश्लील वीडियो बनाने का भी आरोप

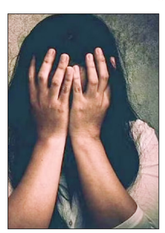

लखनऊ। पुलिस कांस्टेबल पर अपने ही विभाग की महिला दरोगा से रेप करने का आरोप लगा है। ये मामला उत्तराखंड की राजधानी देहरादून का है। महिला दरोगा ने बीते दिनो सिपाही असलम पर रेप का मुकदमा दर्ज कराया था। महिला दरोगा ने बताया था कि उसका ट्रांसफर पर्वतीय जिले से देहरादून हुआ था। उसे देहरादून में पुलिस की एक शाखा में तैनात किया गया था। शाखा में पूर्व से तैनात कांस्टेबल असलम विभागीय कार्यों में महिला दरोगा की मदद करता था। एक बार ड्यूटी पर देरी से आने के कारण अधिकारियों ने महिला दरोगा का स्पष्टीकरण मांगा था। महिला दरोगा ने कार्यालय से काफी दूरी पर रेंट पर रूम लिया था। स्पष्टीकरण देने के बाद महिला दरोगा ने ऑफिस के पास ही एक होटल में असलम की मदद से रूम लिया था,ताकि वह समय पर ड्यूटी पर पहुंच सके। महिला दरोगा ने आरोप लगाया था कि असलम ने उसके कमरे में घुसकर उसके साथ रेप किया और दुराचार का अश्लील वीडियो बनाकर उसे ब्लैकमेल भी किया। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था, जिसे कल पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

जांच कमेटी हुई थी गठित

महिला दरोगा से रेप का मामला सामने आने से महकमे में हड़कंप मच गया था। मामले की जांच के लिए एसपी देहात (विकासनगर) के पर्यवेक्षण में टीम गठित की गई। टीम ने महिला दरोगा के बयान दर्ज किए, मेडिकल कराया और अन्य साक्ष्य जुटाए। इसके बाद आरोपी सिपाही अलसम को गिरफ्तार कर बुधवार को कोर्ट में पेश किया गया। इंस्पेक्टर पटेलनगर प्रदीप राणा के मुताबिक कोर्ट से आरोपी को जेल भेजा गया। मामले में पुलिस की आगे की जांच जारी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

यमुना स्वच्छता अभियान: पर्यावरण, राजनीति और सीमापार सीख : डॉ. प्रिया गहलोत

यमुना नदी, जो हिंदू धर्म में एक पवित्र अस्तित्व मानी जाती है, दशकों से शहरीकरण, अप्रभावी शासन और अनियंत्रित औद्योगिक कचरे के कारण प्रदूषित होती रही है। 2014 में स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत और 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में इसे राष्ट्रीय आंदोलन का रूप दिया गया। दिल्ली के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने यमुना की सफाई को लेकर प्रतिबद्धता जताई और प्रदूषण कम करने तथा नदी के पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने की दिशा में प्रयास किए। डॉ. गहलोत इस अभियान के प्रभाव का विश्लेषण करते हुए दिल्ली की पारिस्थितिकी, मतदाता भावनाओं और बांग्लादेश में शेख हसीना की राजनीतिक रणनीतियों के साथ-साथ नेपाल में नदी जल राजनीति के पहलुओं की तुलनात्मक समीक्षा प्रस्तुत करती हैं।

उद्देश्य और रणनीतियाँ : भाजपा ने अगले तीन वर्षों में यमुना की सफाई के लिए चार चरणों की रणनीति बनाई है। चुनाव जीतने के बाद, सफाई अभियान में ट्रैश स्किमर, वीड हार्वेस्टर और ड्रेजर जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग शुरू किया गया। दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बताया कि सीवेज शोधन, औद्योगिक अपशिष्ट नियंत्रण और जन-जागरूकता इस अभियान के मुख्य लक्ष्य हैं।

मुख्य कदमः

■ **इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारः** सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) का विस्तार और रियल-टाइम प्रदूषण मॉनिटरिंग सिस्टम की स्थापना।

■ **कानूनी प्रवर्तनः** अपशिष्ट प्रबंधन के मानकों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों और नगर पालिकाओं पर जुमार्ना।

■ **सामुदायिक भागीदारीः** स्वयंसेवकों को कचरा एकत्र करने के लिए प्रेरित करना और नदी की शुद्धता को आध्यात्मिक कर्तव्य के रूप में प्रस्तुत करना।

पर्यावरण और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रभाव : गंगा की प्रमुख सहायक नदी यमुना चार राज्यों में 60 मिलियन से अधिक लोगों का जीवननिर्वाह करती है। हालांकि, दिल्ली पहुँचते-पहुँचते यह एक जहरीली धारा बन जाती है, जहाँ इसके 76% प्रदूषण का स्रोत राजधानी ही है।

प्रदूषण के मुख्य कारणः

■ औद्योगिक कचरा

■ बिना शोधित सीवेज

धार्मिक स्थलों से निकलने वाला अनियंत्रित कचरा

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (2023) की रिपोर्ट के अनुसार, नदी के कुछ हिस्सों में घुलित ऑक्सीजन का स्तर शून्य के करीब है, और अमोनिया की मात्रा सुरक्षित सीमा से 30 गुना अधिक है। हालांकि, मत्स्य जीवन की आंशिक बहाली जैसी कुछ सकारात्मक पारिस्थितिकीय संकेत भी

देखे गए हैं। पर्यावरणविदों का मानना है कि दशकों की उपेक्षा, बढ़ती जनसंख्या और राज्यों के बीच समन्वय की कमी ने संकट को और अधिक गंभीर बना दिया है। यमुना की दुर्दशा एक प्रणालीगत विफलता को दर्शाती है, कहती हैं डॉ. सुनीता नारायण, सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट से।

दिल्ली में मतदाता राजनीति पर प्रभाव

भाजपा ने पर्यावरणीय संरक्षण को हिंदू पहचान से जोड़ते हुए इसे धार्मिक भावनाओं से जोड़ा है। यमुना की सफाई को पार्टी ने धरोहर और आधुनिकता दोनों की रक्षा के रूप में प्रस्तुत किया है।

राजनीतिक विश्लेषणः पूर्व-चुनाव सर्वेक्षण दर्शाते हैं कि शहरी सौंदर्यीकरण को प्राथमिकता देने वाले मध्यम वर्ग के मतदाताओं के बीच इस पहल को मध्यम स्तर का समर्थन प्राप्त हुआ है। यमुना विस्टा जैसे परियोजनाएँ विकास का प्रतीक बनती हैं, जिससे भाजपा की छवि एक विकासवादी पार्टी के रूप में मजबूत होती है। हालांकि, आलोचकों का कहना है कि यह अभियान उन हाशिए के समुदायों की उपेक्षा करता है जो अपनी जीविका के लिए नदी पर निर्भर हैं। बांग्लादेश की शेख हसीना और नेपाल की सरकार के अपूर्ण वादों से तुलना बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार ने तीस्ता जल आपूर्ति और बुरीगंगा नदी प्रदूषण नियंत्रण जैसे वादे किए थे, लेकिन वे पूर्ण रूप से क्रियान्वित नहीं हो पाए। हसीना की सरकार ने पर्यावरणीय मुद्दों की आलोचना को कम करने के लिए आर्थिक स्थिरता और बुनियादी ढांचे के विकास पर जोर दिया। इसी तरह, दिल्ली में भाजपा अपनी सांस्कृतिक अपील और शहरी विकास परियोजनाओं के माध्यम से अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास कर रही है। लेकिन यदि पार्टी लंबे समय तक सत्ता में बनी रहना चाहती है, तो उसे यमुना पुनरुद्धार में ठोस परिणाम देने होंगे। नेपाल की राजनीति में नदी जल प्रबंधन एक जटिल मुद्दा है। वहां की सरकारें चुनावी लाभ के लिए जल संसाधन परियोजनाओं को विकास का प्रतीक बनाती हैं, लेकिन बाढ़ नियंत्रण और सिंचाई जैसी जमीनी समस्याओं का समाधान करने में विफल रहती हैं। भारत में भाजपा यमुना स्वच्छता अभियान को सुशासन का प्रतीक बनाना चाहती है, लेकिन दिल्ली की संघीय शासन संरचना और सक्रिय नागरिक समाज इसे चुनौतीपूर्ण बना सकते हैं। यदि यमुना की सफाई में ठोस सुधार नहीं हुआ, तो भाजपा को भी वैसी ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ सकता है जैसी नेपाल और बांग्लादेश की सरकारों को होती रही है।

निष्कर्ष : यमुना पुनरुद्धार अभियान भारत के संघीय ढांचे के लिए एक दुर्लभ सफलता हो सकता है, बशर्ते कि दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के बीच समन्वय सफल रहे।

संभावित प्रभावः पारिस्थितिक संतुलन की बहालीः यह भारत के संघीय तंत्र को एक प्रभावी ढांचे के रूप में स्थापित करेगा। सांस्कृतिक पुनरुद्धारः यमुना की सफाई को हिंदू सभ्यता के पुनर्जागरण के रूप में देखा जाएगा। राजनीतिक स्थिरताः यदि भाजपा सफल होती है, तो यह उसके विकासवादी एजेंडे को मजबूती देगा। भविष्य में, इस अभियान के दीर्घकालिक पर्यावरणीय परिणामों और नदी प्रबंधन की सीमापार नीतियों पर गहन शोध आवश्यक होगा।

प्रिया गहलोत (पीएचडी, CSAS, जेएनयू)
पर्यावरणविद्, नदी जल और जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ
लेखिका ने अपनी पीएचडी दक्षिण एशिया में नदी जल कूटनीति पर जेएनयू से पूरी की है और भारत-नेपाल एवं भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विशेषज्ञता रखती हैं।

सेबी ने पिछले साल 70 हजार भ्रामक सोशल मीडिया पोस्ट और खाते हटाए

मुंबई हलचल / मुंबई

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पूर्णकालिक सदस्य अनंत नारायण जी ने शुक्रवार को कहा कि पिछले साल 'फिन-इन्फ्लुएंसर' ढांचे के क्रियान्वयन के बाद से सोशल मीडिया मंचों के साथ परामर्श कर 70,000 भ्रामक खाते और 'पोस्ट' हटाए गए हैं।

सोशल मीडिया पर वित्तीय मामलों में लोगों को प्रभावित करने की क्षमता रखने वालों को फिन-इन्फ्लुएंसर कहते हैं। नारायण ने बताया कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा शेयर बेचने की चिंताओं के बीच कुल मिलाकर निवेश प्रवाह उतना बुरा नहीं है, जितना सोचा गया था। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत में एफआईआई का निवेश जारी है।

सोशल मीडिया कंपनियों के साथ काम जारी है

नारायण ने कहा कि अपंजीकृत निवेश सलाहकार और शोध विश्लेषक एक "खतरा" हैं, जो निवेश में बढ़ती रुचि का फायदा उठा रहे हैं। उन्होंने यहां पंजीकृत निवेश सलाहकारों द्वारा आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, " अक्टूबर 2024 से सेबी ने 70,000 से अधिक भ्रामक खातों/'पोस्ट' को हटाने के लिए सोशल मीडिया कंपनियों के साथ काम किया है।"

सलाहकारों की मदद मांगी

सेबी के पूर्णकालिक सदस्य ने कहा कि उन्होंने अनुपालन सुनिश्चित करने में सलाहकारों की मदद मांगी। उन्होंने साथ ही सेबी-पंजीकृत संस्थाओं की पहचान करने में मदद के लिए यूपीआई 'पेराइट' खाते और इस दिशा में सेबी के प्रयासों के रूप में वैकल्पिक केंद्रीकृत शुल्क संग्रह तंत्र का उल्लेख किया।

अधिग्रहण मानकों से संबंधित ऑनलाइन पोर्टल हुआ अनिवार्य

बाजार नियामक सेबी ने कहा कि 'अधिग्रहण विनियम" के तहत शेयर अधिग्रहण में कुछ छूट से संबंधित रिपोर्ट ईमेल और हाल ही में जारी मध्यस्थ पोर्टल दोनों के जरिये पेश की जा सकती हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि यह दोहरी प्रस्तुति प्रणाली अभी से 14 मई, 2025 तक ही लागू रहेगी। इसके बाद रिपोर्ट रखने के लिए केवल ऑनलाइन पोर्टल का ही इस्तेमाल किया जाएगा।

- भारत में एफआईआई का निवेश जारी है
- अपंजीकृत निवेश सलाहकारों से निवेशकों को खतरा है
- फिन-इन्फ्यूएंसर बढ़ती निवेशकों की रूचि का फायदा उठा रहे

पांच वर्षों में 54 अरब डॉलर का विदेशी प्रवाह रहा

नारायण ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में शेयर और ऋण में 54 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी प्रवाह देखा गया है, जो पिछले पांच वर्षों के 19 अरब अमेरिकी डॉलर से बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि विदेशी निवेशकों की रुचि बनाए रखने के लिए निरंतर वृद्धि, व्यापक आर्थिक स्थिरता और कामकाज का उचित माहौल देने की जरूरत है।

एफपीआई के पास 62 लाख करोड़ ऋण थे : सेबी के सदस्य ने कहा कि फरवरी 2025 तक एफपीआई के पास भारतीय शेयर में 62 लाख करोड़ रुपये या 700 अरब डॉलर से अधिक और ऋण के रूप में करीब 5.9 लाख करोड़ रुपये या 68 अरब डॉलर थे।

एफपीआई की निकासी उतनी बुरी नहीं

वाणिज्यिक बैंकर से नियामक बने नारायण ने विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) की निकासी पर कहा कि स्थिति उतनी बुरी नहीं है, लेकिन " हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए, क्योंकि भारत को विदेशी बचत की आवश्यकता है।"

कानपुर में जेल से छूटने के बाद अपराधी ने मुखबिरी के शक में युवक को मार डाला

कानपुर। गिरफ्तार करने के लिए मुखबिरी के शक में अपराधी ने युवक को मार डाला, जिसके बाद पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी और उसके साथियों की तलाश कर रही है। यह घटना गोविंद नगर थाना क्षेत्र में हुई। मिली जानकारी के मुताबिक पनकी निवासी 26 साल का सुबोध सोनी ऑटो चलाकर परिवार का पाल पोषण करता था। परिवार में पत्नी आयुषी सविता, एक 5 साल का बेटा अथर्व हैं। मौके पर पहुंची पुलिस को चचेरे भाई अभिषेक ने बताया कि 3 फरवरी को नौबस्ता निवासी सरफराज को पुलिस ने तमंचे के साथ जेल भेजा था। जेल से छूटकर आने के बाद से वह भाई सुबोध से रंजिश मानने लगा था। पुलिस केमुताबिक घटना के समय आरोपी सरफराज अपने मित्र सुंदरम के साथ घर आया। दोनों सुबोध को शराब पिलाने के बहाने उसकी ऑटो से ही नौबस्ता ले गए। इसके बाद वहां पर पहले शराब पिलाई और फिर मारा पीटा। इसके बाद गोविंद नगर के फैक्ट्री एरिया ले गए। यहां भी उसके साथ मारपीट की। इसी बीच मौका पाकर सुबोध ने अपनी पत्नी आयुषी को फोन कर घटना की जानकारी दी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'टैबलट' से नहीं, खाने-पीने से पूरी करें कैल्शियम की कमी

कैल्शियम हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी है। यह हमारी हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाने में काफी मददगार होता है। रोज की डाइट में गुड़ लेने से पर्याप्त मात्रा में फास्फोरस और कैल्शियम मिल जाता है। एक कप गुड़ में 80 मिलीग्राम कैल्शियम पाया जाता है। इसके अलावा दूध के सभी प्रॉडक्ट भी कैल्शियम से भरपूर होते हैं। काजू, बादाम, पालक में भी कैल्शियम की अच्छी मात्रा होती है।

शारीरिक विकास के लिए कैल्शियम लेना बहुत जरूरी है लेकिन कैल्शियम की मात्रा आयु और लिंग के आधार पर ही ली जानी चाहिए। कई बार लोग कैल्शियम की जरूरत को पूरा करने के लिए सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं। आप चाहें तो कैल्शियम की आवश्यकता को खाने-पीने की इन चीजों से पूरा कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि ये सभी चीजें नेचुरल हैं, जिससे किसी तरह के साइड-इफेक्ट का डर नहीं रह जाता।

आइए जानते हैं किन-किन चीजों में कैल्शियम पाया जाता है-

1. केला
केला खाने से बॉडी को पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम मिलता है। 1 केले में करीब 6 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

2. दही
दही लेने से कैल्शियम की कमी को दूर किया जा सकता है। 1 कप दही में करीब 500 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

3. नींबू
नींबू पानी पीने से कैल्शियम की कमी को दूर किया जा सकता है। 1 कप नींबू पानी में करीब 55 मिग्रा कैल्शियम होता है।

4. दूध
दूध में कैल्शियम भरपूर मात्रा में होता है। 1 गिलास दूध पीने से बॉडी को करीब 240 मिग्रा कैल्शियम मिलता है।

5. पनीर
पनीर खाने से भी कैल्शियम की कमी को दूर किया जा सकता है। 1 कप पनीर में लगभग 130 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

6. सोयाबीन
सोयाबीन लेने से काफी कैल्शियम मिलता है। एक कप सोयाबीन में लगभग 200 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

7. बींस
बींस खाने से प्रोटीन और कैल्शियम भरपूर मात्रा में मिलता है। 90 ग्राम बींस में अनुमानतः 50 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

8. ओट्स
इसको खाने से भी काफी कैल्शियम मिलता है। एक कटोरी ओट्स में 100 से 150 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

9. सरसों का साग
सरसों के साग में पर्याप्त कैल्शियम होता है। एक कप सरसों के साग में 40 मिग्रा कैल्शियम पाया जाता है।

कभी- कभी गरम-गरम पानी से भी नहाना चाहिए

दिन भर की लंबी थकान के बाद अगर गरम पानी से नहाने को मिल जाए तो इससे बेहतर कुछ नहीं है, खासतौर पर सर्दियों में। लेकिन कभी-कभी गर्मियों में भी गरम पानी से नहाना फायदेमंद साबित होता है। गरम पानी से स्नान के कुछ फायदे हैं।

ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है
शरीर पर गरम पानी डालने से दिल और तेजी से काम करता है और मजबूत बनता है, विशेषकर अगर आप बाथ टब में गरम पानी भर कर उसमें नहाएं। गरम पानी से नहाने से दिल और खून की नलियों के लिए अच्छी कसरत हो जाती है और दिल की क्षमता बढ़ जाती है।

नींद बेहतर आती है
गरम पानी से शरीर रिलैक्स होता है और रात को बेहतर नींद आती है। गरम पानी से न केवल शरीर रिलैक्स होता है बल्कि मांसपेशियां भी थकान से मुक्त होती हैं। मांसपेशियों पर पड़ा दबाव हटने से शरीर के साथ-साथ दिमाग भी शांत होता है। इसी वजह से दिन भर के तनाव के बाद गहरी और स्वस्थ नींद आती है।

त्वचा की सफाई भी होती है
गरम पानी से लिए गए स्नान से हमारी त्वचा के रोम छिद्र भी खुल जाते हैं। गरम पानी इन रोम छिद्रों में जमा धूल, मिट्टी और हानिकारक तत्वों को घोलकर बहा ले जाता है। इससे हमारी त्वचा को भी ताजगी का अनुभव होता है।

सिरदर्द में फायदा
आमतौर पर सिरदर्द तब होता है जब हमारे सिर में खून पहुंचाने वाली नलियां सिकुड़ जाती हैं। गरम पानी से ब्लड प्रेशर कम होता है साथ ही खून की नलियां भी सामान्य स्थिति में आती हैं। इसी से सिरदर्द में लाभ होता है।

जुकाम में लाभ
गरम पानी से निकलने वाली भाप से हमारे फेफड़े खुल जाते हैं। नाक और गले में आए अवरोध भी दूर होते हैं। सर्दी में गरम पानी से स्नान करना तुरंत राहत देता है। यह भी देखा गया है कि गरम पानी से नहाने से शरीर में ब्लड शुगर का लेवल भी कम हो जाता है इस तरह से यह डायबिटीज में भी फायदेमंद है।

शरीर से अनचाहे बाल हटाने में मदद कर सकते हैं ये आसान-से घरेलू नुस्खे

बॉडी पर मौजूद अनचाहे बालों को हटाने के लिए अगर आप वैक्सिंग नहीं कराना चाहते हैं तो कुछ और भी तरीके हैं जो आपकी मदद कर सकते हैं। आपके किचन में मौजूद कई चीजें ऐसी हैं जो अनचाहे बालों को हटाने में आपकी मदद कर सकती हैं। ये नुस्खे आपकी त्वचा को नम और ग्लो करने में भी मदद करते हैं। इसलिए शरीर पर अनचाहे बालों की वजह से अब आपको शर्मिंदा होने की जरूरत नहीं है। आपके लिए हम तीन ऐसे नुस्खों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बिना वैक्सिंग के फेस हेयर रिमूव करने में आपकी मदद कर सकते हैं।

नींबू और चीनी
इसके लिए आपको दो चम्मच नींबू और दो चम्मच चीनी को 8-9 चम्मच पानी के साथ मिलाना है। इसके बाद इस मिश्रण को गर्म कर लें और ठंडा होने के लिए छोड़ दें। इसके बाद अफेक्टेड एरिया पर इसे लगाएं और 20-25 मिनट तक ऐसे ही रहने दें। बाद में ठंडे पानी से धो लें।

शहद और नींबू
वैक्सिंग की जगह शहद और नींबू के इस्तेमाल से भी आप अनचाहे बाल हटा सकते हैं। इसके लिए शुगर और लेमन जूस की दो चम्मच मात्रा आपस में मिलाएं। इसमें एक चम्मच शहद भी मिला लें। इस मिश्रण को तीन मिनट तक गर्म करें। मिश्रण को पतला करने के लिए इसमें पानी मिला सकते हैं। जब यह मिश्रण ठंडा हो जाए तब इसे अफेक्टेड एरिया पर लगाएं। इसके बाद वैक्सिंग स्ट्रिप की मदद से बालों को ग्रोथ के अपोजिट डायरेक्शन में पुल करें। ड्राइ स्किन वाले लोगों के लिए यह बेहतरीन नुस्खा है।

ओटमील और केला
इसके लिए दो चम्मच ओटमील और एक कच्चा केला को साथ लेकर ब्लेंड कर लें। इस पेस्ट को बालों वाली जगह पर लगाएं। 15 मिनट तक मसाज करें और बाद में ठंडे पानी से धो लें। फेसियल हेयर रिमूव करने के अलावा यह पैक आपकी स्किन को ग्लो देने में भी मदद करता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

करीना कपूर ने याद किए करियर के शुरूआती दिन

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हाल ही में बताया कि वो अपने 24 साल के बॉलीवुड करियर में कई उतार चढ़ावों से गुजरी हैं। मीडिया को दिए इंटरव्यू में बेबो ने कहा- सैफ अली खान से शादी करने के बाद उनकी लाइफ के सबसे बड़े बदलाव आने शुरू हुए। अपनी जर्नी के बारे में बात करते हुए करीना ने कहा कि पहले के दौर में एक्ट्रेसेस के बीच बहुत कॉम्पिटिशन रहा करता था। करीना ने कहा- मुझे अतीत में लिए गए फैसलों पर कोई पछतावा नहीं है। एक दशक पहले, फिल्म इंडस्ट्री में बहुत ज्यादा कॉम्पिटिशन रहा करता था। आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं और मुस्कुराती हूं, क्योंकि मुझे अपनी जर्नी पर प्राउड फील होता है। इतना ही नहीं करीना ने कहा कि वो अब बच्चों को खुद से दूर नहीं रखना चाहती हैं, इसलिए उन्होंने अपनी लाइफ में वर्क बैलेंस बनाकर रखा है। करीना ने आगे कहा- मैंने हमेशा अपनी गलतियों से सीखा है और अब मैं पूरी तरह से अलग इंसान बन चुकी हूं। मुझे खुशी है कि मैं एक इंसान के रूप काफी डेवलप हुई हूं। यह मेरी पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों जिंदगियों के लिए बहुत जरूरी है। करीना ने आगे कहा- पहले मैं इस बात की परवाह नहीं करती थी कि वो क्या कर रही हैं या उसके नतीजे क्या होंगे। लेकिन अब मुझे उन चीजों का कोई पछतावा नहीं है। आज मैं ज्यादा ग्राउंडेड हूं। हालांकि, लगभग एक दशक पहले इंडस्ट्री में बहुत कॉम्पिटिशन था और लगातार लोग एक-दूसरे एक खिलाफ रहा करते थे। लेकिन आज, अगर कोई मुझे उकसाने की कोशिश करता है, तो ऐसा नहीं होगा।

अल्लू अर्जुन करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

प्रभास को पीछे छोड़ अल्लू अर्जुन साउथ सिनेमा के हाईएस्ट पेड एक्टर बन गए हैं। संदीप रेड्डी वंगा और भूषण कुमार की फिल्म के साथ हिंदी डेब्यू करने जा रहे अल्लू अर्जुन ने 125 करोड़ रुपए की फीस चार्ज की है। इसके साथ ही अल्लू अर्जुन ने फिल्म इंडस्ट्री में एक नए ट्रेंड की शुरूआत कर दी है। फिलहाल, अल्लू अर्जुन पुष्पा 2 की शूटिंग में बिजी हैं। प्रभास की 'स्पिरिट' की शूटिंग पूरी होने के बाद अल्लू अर्जुन स्टारर संदीप रेड्डी वंगा और टी-सीरीज की फिल्म की शूटिंग शुरू होगी। एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' के लिए जूनियर एनटीआर और राम चरण ने 75 करोड़ की फीस चार्ज की थी। 'आरआरआर' अब ऑस्कर्स तक पहुंच गई है। अल्लू अर्जुन की फीस में इजाफा करने के बाद जूनियर एनटीआर और राम चरण भी अपना चार्ज बढ़ा सकते हैं। टी-सीरीज और वंगा भद्रकाली प्रोडक्शन में बन रही अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म का टाइटल 'भद्रकाली' हो सकता है। इस फिल्म में स्पिरिचुअल कनेक्शन होने की उम्मीद है। बड़े स्केल पर बनाई जा रही इस फिल्म में इंसाफ के इमोशन को फिल्माया गया है। साउथ सिनेमा में कदम रखने जा रहे टी-सीरीज के भूषण कुमार बोले- हम सिर्फ हिंदी फिल्मों में काम करने के दायरे को तोड़ने जा रहे हैं। अब हम साउथ और रीजनल सिनेमा में शुरूआत कर रहे हैं।

कास्टिंग काउच से बाल-बाल बची थीं विद्या बालन

हाल ही में विद्या बालन ने अपना कास्टिंग काउच एक्सपीरिएंस शेयर किया है। विद्या बालन ने बताया कि उन्हें चेन्नई में किसी फिल्म डायरेक्टर ने अपने कमरे में बुलाया था, लेकिन सही समय पर उनकी 'फीमेल इंस्टिंक्ट' जाग गई और उन्होंने खुद को कास्टिंग काउच का शिकार बनने से बचा लिया। हालांकि, इसके बाद उन्हें फिल्म से हाथ धोना पड़ा। डायरेक्टर का नाम लिए बिना विद्या ने बताया कि कास्टिंग काउच से उनका पाला अब तक नहीं पड़ा है, लेकिन ऐसी ही एक घटना से वो बच निकलीं। विद्या बोलीं- मुझे अपने साथ हुई एक घटना याद है। मैंने एक फिल्म साइन की थी। एक ऐड फिल्म शूट करने के सिलसिले में मैं चेन्नई गई हुई थी। फिल्म डायरेक्टर ने मिलने के लिए बुलाया था, क्योंकि मैंने फिल्म के लिए हां कर दी थी, इसलिए मैं डायरेक्टर से मिलने चली गई। हम कॉफी शॉप में मिले थे, लेकिन वो रूम में चलने पर जोर देने लगे। विद्या बोलीं- मैं बहुत, बहुत शुक्रगुजार हूं कि मैं इससे नहीं गुजरी, लेकिन मैंने ऐसी डरावनी कहानियां सुनी हैं। फिल्म इंडस्ट्री ज्वॉइन करने से पहले ये मेरे पेरेंट्स का सबसे बड़ा डर था। इस वजह से मेरे पेरेंट्स मेरे फिल्मों में काम करने से खुश नहीं थे। मैं अकेली थी, इसलिए मैं समझ नहीं पाई, लेकिन मैंने एक स्मार्ट मूव लिया। जब हम कमरे में गए तो मैंने दरवाजा खुला छोड़ दिया। इसके बाद डायरेक्टर ने कोई जबरदस्ती नहीं की। इस तरीके से मैंने कास्टिंग काउच का शिकार होने से खुद को बचा लिया।